परिशिष्ट– "A"

पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा– XII
विषय–लेखाशास्त्र (301)

सैद्धांतिक – 80 अंक
प्रायोजना – 20 अंक

पूर्णांक– 100

स.क्र.	इकाई एवं विषयवस्तु	आबंटित अंक		कालखण्ड
भाग–1 साझेदारी फर्म तथा कंपनी के लिये लेखांकन				
1.	साझेदारी फर्म के लिये लेखांकन			
	अध्याय 1 साझेदारी लेखांकन–आधारभूत अवधारणाएँ	05	35	15
	अध्याय 2 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन – साझेदार का प्रवेश	06		15
	अध्याय 3 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन– साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु	11		35
	अध्याय 4 साझेदारी फर्म का विघटन	13		35
2.	कंपनी के लिये लेखांकन			
	अध्याय 5 अंशपूँजी के लिए लेखांकन	13	25	35
	अध्याय 6 ऋणपत्रों का निर्गम एवं मोचन	12		30
भाग–2 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण				
3.	अध्याय 1 कंपनी के वित्तीय विवरण	07	20	10
	अध्याय 2 लेखांकन अनुपात	05		12
4.	अध्याय 3 रोकड़ प्रवाह विवरण	08		13
	अथवा			
भाग–2 कम्प्यूटरीकृत लेखांकन				
5.	अध्याय 1 कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का संक्षिप्त विवरण	05	20	08
	अध्याय 2 इलेक्ट्रानिक स्प्रेडशीट के लेखांकन अनुप्रयोग	04		07
	अध्याय 3 कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का उपयोग	05		08
	अध्याय 4 डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (DBMS) का उपयोग	06		12
	कुल	80		200
	प्रायोजना कार्य	20		20
	महायोग	100		220

टीप :–(i) भाग–1 अनिवार्य है। भाग–2 के विकल्प वित्तीय विवरण का विश्लेषण अथवा कम्प्यूटरीकृत लेखांकन है।

(ii) भाग–1 के साथ भाग–2 के विकल्प में से किसी 01 विकल्प का चयन अनिवार्य है।

परिशिष्ट "B"

प्रश्नपत्र योजना
कक्षा – XII
विषय – लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक – 80 समय – 03:00 घण्टे

"A"-शैक्षिक उद्देश्य अनुसार अंक विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA) 01	लघु उत्तरीय (SA-I) 03	दीर्घ उत्तरीय (LA-I) 04	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA-I) 06	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA-II) 08	कुल अंक	% अधिभार
1.	**ज्ञानात्मक (Knowledge)** परिभाषा, सिद्धांत, तथ्यों को पहचानना, सूचना इत्यादि पर आधारित सामान्य स्मरण क्षमता पर आधारित प्रश्न	03	01	01	01*	-	16	20%
2.	**अवबोधात्मक (Understanding)** अर्थ, व्याख्या, अंतर स्पष्ट करना, वैचारिक समझ, भावानुवाद	04	-	02	-	01	20	25%
3.	**अनुप्रयोगात्मक (Application)** उदाहरण सहित/संदर्भ और समझ के आधार पर दी गई नयी परिस्थितियों को समझाना/ सिद्धांत के समाधान/हल निकालना	-	02	02	01*	-	20	25%
4.	**विश्लेषणात्मक(Analysis)** वर्गीकृत, तुलनात्मक, व्याख्या विभिन्न स्त्रोतों पर आधारित विशेष जानकारी को समाहित करना/ एकीकरण/सुसंगठित करना/अंतर	02	-	-	01*	-	08	10%
5.	**मूल्यांकन (Evaluation)** मूल्यांकन करना/समीक्षा करना/मूल्य निर्धारण/निष्कर्ष निकालना/चयन करना/तर्क आधारित	-	-	-	-	01*	08	10%
6.	**रचनात्मक (Creation/Creativity)** सृजन करना/पूर्वानुमान/योजना बनाना/परिकल्पना/संगठित करना	01	01	01	-	-	08	10%
	योग	**1x(10)=10**	**3(4)=12**	**4(6)=24**	**6(3)=18**	**8 (2)=16**	**80**	**100%**

"B"-प्रश्नानुसार विभाजन

क्र.	प्रश्नों के प्रकार	प्रत्येक प्रश्न पर आबंटित अंक	कुल प्रश्न	कुल अंक
1.	वस्तुनिष्ठ (MCQ/VSA)	01	10	10
2.	लघुउत्तरीय (SA-I)	03	04	12
3.	दीर्घ उत्तरीय (LA-I)	04	06	24
4.	अति दीर्घउत्तरीय (VLA-I)	06	03	18
5.	अति दीर्घउत्तरीय (VLA-II)	08	02	16
		योग	15+1(10)=16	80

"C"-कठिनाई स्तर अनुसार विभाजन

क्र.	कठिनाई स्तर	अंक	प्रतिशत
1.	सरल (E)	24	30%
	औसत (AV)	40	50%
	कठिन (D)	16	20%
	योग	80	100%

ब्लूप्रिंट
कक्षा – XII
विषय – लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक – 80 समय – 03:00 घण्टे

क्र	इकाई एवं पाठ्यवस्तु ↓	अंको का अधिभार ↓	वस्तुनिष्ठ (MCQ/ VSA)	लघु उत्तरीय (SA-I)	लघु उत्तरीय (SA-II)	दीर्घ उत्तरीय (LA-I)	अति दीर्घ उत्तरीय (VLA)	कुल अंक	कुल प्रश्न
		अंक →	01	03	04	06	08		
भाग–1 साझेदारी फर्म तथा कंपनी के लिये लेखांकन									
1.	साझेदारी फर्म के लिये लेखांकन								
1.	अध्याय 1 साझेदारी लेखांकन–आधारभूत अवधारणाएँ	05	2 (1T,1N)	1(T)	-	-	-	05	1(2)
2.	अध्याय 2 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन – साझेदार का प्रवेश	06	2 (1T,1N)	-	1(N)*	-	-	06	1(2)
3.	अध्याय 3 साझेदारी फर्म का पुनर्गठन– साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु	11	1(T)	-	1(N)*	1(N)*	-	11	2(1)
4.	अध्याय 4 साझेदारी फर्म का विघटन	13	1(T)	-	1(N)*	-	1(N)*	13	2(1)
2.	कंपनी के लिये लेखांकन								
5.	अध्याय 5 अंशपूँजी के लिए लेखांकन	13	1(T)	2 (1T,1N)	-	1(N)*	-	13	3(1)
6.	अध्याय 6 ऋणपत्रों का निर्गम एवं मोचन	12	1(N)	1(N)	-	-	1(N)*	12	2(1)
भाग–2 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण									
7.	अध्याय 1 कंपनी के वित्तीय विवरण	07	1(T)	-	-	1(T)*	-	07	1(1)
	अध्याय 2 लेखांकन अनुपात	05	1(T)	-	1(N)*	-	-	05	1(1)
8.	अध्याय 3 रोकड़ प्रवाह विवरण	08	-	-	2 (1T,1N)*	-	-	08	2(0)
अथवा									
भाग–2 कम्प्यूटरीकृत लेखांकन									
1.	अध्याय 1 कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का अवलोकन	05	1(T)	-	1(T)*	-	-	05	1(1)
2.	अध्याय 2 कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का उपयोग	05	1(T)	-	1(T)*	-	-	05	1(1)
3.	अध्याय 3 डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (DBMS) का उपयोग करके लेखांकन	06	-	-	-	1(T)*	-	06	1(0)
4.	अध्याय 4 इलेक्ट्रानिक स्प्रेडशीट के लेखांकन अनुप्रयोग	04	-	-	1(T)*	-	-	04	1(0)
		80	1(10)=10	3(4)=12	4(6)=24	6(3)=18	8(2)=16	80	15+1(10) =16

नोट :– (i) प्रश्न क्र0–01 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। जिसमें दो खण्ड होगें। खण्ड "अ"–05 प्रश्न बहुविकल्पीय (MCQ) तथा खण्ड "ब"–05 प्रश्न अतिलघुउत्तरीय (VSA) होगें।

(ii) *तारांकित प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिये जायेंगे। सैद्धांतिक प्रश्नों के आंतरिक विकल्प में **सैद्धांतिक (T)** प्रश्न और **आंकिक (N)** प्रश्नों के आंतरिक विकल्प में आंकिक प्रश्न रहेंगे।

(iii) कोष्ठक के बाहर की संख्या अंको दर्शाती है तथा कोष्ठक के अंदर की संख्या प्रश्नों की संख्या दर्शाती है।

प्रश्नपत्र योजना

कक्षा – XII

विषय– लेखाशास्त्र (301)

कुल अंक – 80 समय – 03:00 घण्टे

1. प्रश्न क्र0–1 वस्तुनिष्ठ प्रश्न है जिसमें दो खण्ड होंगे :–
   (i) **"खण्ड–अ" 05** बहुविकल्पीय (**MCQ**) प्रश्न होगें। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
   (ii) **खण्ड–"ब" 05 अतिलघुउत्तरीय (VSA) प्रश्न** होंगे। जिसमें प्रत्येक में 01 अंक निर्धारित है।
2. प्रश्न क्र0–02 से प्रश्न क्र. 05 तक लघुउत्तरीय (**SA-I**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **02** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा **30 शब्द**
3. प्रश्न क्र0 06 से प्रश्न क्र0 11 तक दीर्घउत्तरीय (**LA-I**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **04** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा **75–100 शब्द**
4. प्रश्न क्र0 12 से प्रश्न क्र0 14 तक अति दीर्घउत्तरीय (**VLA-I**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **06** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा **150–200 शब्द**
5. प्रश्न क्र0 15 तथा प्रश्न क्र0 16 तक अति दीर्घउत्तरीय (**VLA-II**) प्रश्न होगें, जिसमें प्रत्येक में **08** अंक निर्धारित है। शब्द सीमा **200–250 शब्द**

पाठ्यक्रम
कक्षा – XII
विषय – लेखाशास्त्र (301)

सैद्धांतिक अंक–80 | **समय–3:00 घंटे**

भाग–1 – साझेदारी फर्म तथा कंपनी के लिए लेखांकन

अध्याय : एक –साझेदारी लेखांकन– आधारभूत अवधारणाएँ — 05 अंक 15 कालखण्ड

साझेदारी की प्रकृति, साझेदारी विलेख–लेखांकन हेतु अनुकुल प्रावधान, साझेदारी खातों के विशिष्ट पहलू, साझेदारों के पूँजी खातों का अनुरक्षण, साझेदारों के बीच लाभ का विभाजन–लाभ एवं हानि विनियोग खाता, पूँजी पर ब्याज का परिकलन, आहरणों पर ब्याज, एक साझेदार को लाभ की गारंटी, पूर्व समायोजन ।

अध्याय : दो–साझेदारी फर्म का पुर्नगठनः साझेदार का प्रवेश — 06 अंक 15 कालखण्ड

साझेदारी फर्म के पुर्नगठन के प्रकार, साझेदार का प्रवेश, नया लाभ विभाजन अनुपात, त्याग अनुपात, **ख्याति**– ख्याति का अर्थ, ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले घटक, ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता, ख्याति मूल्यांकन की विधियॉ, ख्याति का व्यवहार, संचित लाभों और हानियों का समायोजन, परिसंपत्तियों का पुर्नमूल्यांकन और दायित्वों का पुर्ननिर्धारण, पूँजी का समायोजन, वर्तमान साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन।

अध्याय : तीन–साझेदारी फर्म का पुर्नगठन–साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु — 11अंक 35 कालखण्ड

सेवानिवृत्त/मृत्त साझेदार को देय राशि का निर्धारण, नया लाभ विभाजन अनुपात, अभिलाभ अनुपात, ख्याति का व्यवहार, परिसंपत्तियों तथा दायित्वों के लिए पुर्नमूल्याकन के लिए समायोजन, संचित लाभों तथा हानियों का समायोजन, सेवानिवृत्त साझेदार को देय राशि का निपटारा, साझेदारों की पूँजी का समायोजन, साझेदार की मृत्यु ।

अध्याय : चार–साझेदारी फर्म का विघटन– — 13 अंक 35 कालखण्ड

साझेदारी का विघटन, फर्म का विघटन, खातों का निपटारा, लेखांकन व्यवहार, रोज–नामचा प्रविष्टियॉ ।

इकाई–2 कंपनी के लिए लेखांकन

अध्याय : पांच–अंशपूॅजी के लेखांकन– — 13 अंक 35 कालखण्ड

कंपनी की विशेषताऍं, कंपनी के प्रकार, कंपनी के अंशपूॅजी, अंश पूॅजी का वर्गीकरण, अंशों की श्रेणियॉ एवं प्रकृति, अधिमानी अंश, समता अंश, अंशों का निर्गमन, लेखॉकन व्यवहार, बकाया मॉग, अग्रिम मॉग खाता, अधि–अभिदान, अंशों का न्यून–अभिदान, अंशों का अधिमूल्य पर निर्गमन, अंशों का बट्टे पर निर्गमन, रोकड़ के अतिरिक्त प्रतिफल में अंशों का निर्गमन, अंशों का हरण–हरण किये गये अंशों का पुनःनिर्गमन ।

<u>अध्याय : छह –ऋण पत्रों का निर्गम एवं मोचन</u>– **12 अंक** **30 कालखण्ड**

ऋण पत्र का आशय, अंश और ऋण पत्र के बीच अंतर, ऋण पत्रों के प्रकार–सुरक्षा के दृष्टिकोण से, अवधि के दृष्टिकोण से, परिवर्तनीयता के दृष्टिकोण से, कूपन दर के दृष्टिकोण से, पंजीकरण के दृष्टिकोण से , ऋण पत्रों का निर्गम–रोकड़ के लिए ऋण पत्र का निर्गम, बट्टे पर ऋण पत्र का निर्गम, प्रीमियम पर निर्गमित ऋण पत्र, अधि–अभिदान, रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल पर ऋण पत्रों का निर्गमन, ऋण पत्रों का सम्पार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन, ऋण पत्रों को निर्गमित करने की शर्तें, ऋण पत्रों पर ब्याज–लेखांकन व्यवहार, ऋण पत्र निर्गम पर बट्टा/हानि का अपलेखन ।

भाग–2 वित्तीय विवरणों का विश्लेषण

<u>अध्याय : एक–कंपनी के वित्तीय विवरण</u>– **07अंक** **10 कालखण्ड**

वित्तीय विवरणों का अर्थ, वित्तीय विवरणों की प्रकृति, वित्तीय विवरणों के उद्देश्य, वित्तीय विवरणों के प्रकार, वित्तीय विवरणों की उपयोगिता एवं महत्व, वित्तिय विवरणों की सीमाएँ ।

<u>अध्याय : दो–लेखांकनअनुपात</u>– **05अंक** **12 कालखण्ड**

लेखांकन अनुपात का अर्थ, अनुपात विश्लेषण के उद्देश्य, अनुपात विश्लेषण के लाभ, अनुपात विश्लेषण की सीमाएँ, अनुपातों के प्रकार, द्रवता अनुपात–चालू अनुपात, तरल अनुपात, ऋण शोधन क्षमता अनुपात, ऋण क्षमता अनुपात, ऋण परनियोजित पूँजी अनुपात, स्वामित्व अनुपात, कुल परिसंपत्तियों पर ऋण अनुपात, ब्याज व्याप्ति अनुपात, क्रियाशीलता अनुपात, लाभ प्रदता अनुपात ।

<u>अध्याय : तीन–रोकड़ प्रवाहविवरण</u>– **08अंक** **13 कालखण्ड**

रोकड़ प्रवाह के उद्देश्य, रोकड़ प्रवाह विवरण के लाभ, रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य राशियाँ, रोकड़ प्रवाह, रोकड़ प्रवाह विवरण को तैयार करने हेतु क्रियाकलापों का वर्गीकरण–प्रचालन क्रियाकलापसेरोकड़, निवेश क्रियाकलाप से रोकड़, वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़, कुछ विशिष्ट मदों का व्यवहार । प्रचालन क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना–प्रत्यक्ष विधि, अप्रत्यक्ष विधि। निवेश एवं वित्तीय क्रियाकलापों से रोकड़ प्रवाह की गणना, रोकड प्रवाह विवरण का निर्माण ।

अथवा

भाग–2 कम्प्यूटरीकृत लेखांकन

<u>अध्याय : एक –कम्प्यूटरीकृत लेखा प्रणाली का संक्षिप्त विवरण</u>– **05अंक** **08 कालखण्ड**

भूमिका, लेखांकन में अनुप्रयोग, कम्प्यूटरीकृत लेखांकन, प्रणाली की विशेषताएँ, CAS की संरचना, सॉफ्टवेयरपैकेजेस–जेनेरिक, स्पेसिफिक, Tailored .

अध्याय : दो–इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट के लेखांकन अनुप्रयोग– **05अंक** **08 कालखण्ड**

इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट की अवधारणा, इलेक्ट्रॉनिक स्प्रेडशीट द्वारा प्रस्तावित विशेषताएँ, जेनेरेटिंग लेखांकन सूचना में अनुप्रयोगः बैंक समाधान विवरण, संपत्ति लेखांकन : निर्धारित समय–सीमा से ऋण वापसी, अनुपात विश्लेषण, डाटा प्रस्तुतीकरण–ग्राफ, चार्ट तथा चित्रण ।

अध्याय : तीन–कम्प्यूटरीकृत लेखाप्रणाली का उपयोग– **06अंक** **12 कालखण्ड**

CAS की स्थापना के पद, मूल खातों के कोडिफिकेशन तथा वर्गीकरण , खाता निर्माण डाटा : प्रविष्टि, नियतिकरण तथा प्रमाणीकरण, प्रविष्टियों का समायोजन, बैलेंस शीट तैयार करना, पूर्व शेष (Opening Balance) तथा अंतःशेष (Closing Balance) के साथ लाभ–हानि के खाते, प्रणाली की सुरक्षात्मक एवं आवश्यक विशेषताएं ।

अध्याय : चार–डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (DBMS)का उपयोग– **04अंक** **07 कालखण्ड**

DBMS की अवधारण एवं विशेषताएँ, व्यवसायिक अनुप्रयोग में DBMS, जेरेरेटिंग लेखांकन सूचना–Payroll.

योग	80	200
प्रायोगिक	20	20
महायोग	100	220

प्रायोजना कार्य
विषय – लेखाशास्त्र (301)
कक्षा – XII

कुल अंक – 20 समय : 02:00 घण्टे

स.क्र. S.No.	विषयवस्तु (Heading)	अंक Marks allotted	
1.	प्रायोजना रिकार्ड (**Record**)	**04** अंक	
2.	प्रायोजना कार्य/परीक्षा (**PW/PE**)		
	(i) प्रस्ताव, सहयोगिता एवं सहभागिता Initiative, Cooperativeness and Participation.	**02** अंक	**12**
	(ii) प्रस्तुतीकरण में सृजनात्मकता Creativity in presentation.	**02** अंक	
	(iii) विषयवस्तु, अवलोकन एवं अनुसंधान कार्य Content, Observation and Research Work.	**04** अंक	
	(iv) परिस्थितियों का विश्लेषण Analysis of Situation.	**04** अंक	
3.	मौखिक (Viva)	**04** अंक	
	योग	**20** अंक	

प्रायोजना कार्य
कक्षा – XII
विषय – लेखाशास्त्र (301)

प्रोजेक्ट कार्य हेतु निर्देश :–

कक्षा 12वीं लेखाशास्त्र में प्रोजेक्ट कार्य B भाग– वित्तिय विवरण विश्लेषण में समाहित किया गया है। यह आशा की जाती है कि यह विद्यार्थी में व्यापारिक संस्थानों के लेखांकन डाटा का समस्त विश्लेषण तथा व्याख्या की क्षमता विकास में सहायक होगा तथा वे व्यवसाय संबंधी निर्णय लेने हेतु सक्षम/कुशल हो सकेंगे।

प्रोजेक्ट कार्य

समय 1 घंटा 30 मिनिट — अंक 20

इकाई– 1 प्रोजेक्ट फाइल	–	04 अंक	–	निर्देशानुसार
इकाई– 2 लिखित परीक्षा	–	12 अंक	–	एक घंटा
इकाई– 3 मौखिक	–	04 अंक	–	आवश्यकतानुसार/निर्देशानुसार

उद्देश्य :–

- ❖ वास्तविक जीवन के व्यवसाय परिस्थितियों में लेखाकंन प्रक्रिया को पूर्ण करने योग्य बनाना तथा विस्तृत प्रोजेक्ट हेतु पाठ्यक्रमानुसार विश्लेषण की तकनीकों को लागू करवाना।
- ❖ व्यवसाय फर्म की तिमाही, छैःमाही तथा वार्षिकी रिपोर्ट से लेखांकन आंकड़ों को पढने की क्षमता का विकास तथा विशिष्ट प्रोजेक्ट के लिए प्रोजेक्ट फॉइल में निर्धारित प्रपत्र अनुसार वांछित सूचना संग्रह कर दिए गए निर्देशानुसार प्रस्तुत करना।

शिक्षकों के लिए निर्देश :–

संपूर्ण शिक्षा सत्र के दौरान विद्यार्थी कम से कम तीन प्रकार के प्रोजेक्ट पर कार्य करेगा जिसमें से एक विस्तृत प्रकृति का हो।

विस्तृत प्रोजेक्ट विद्यार्थियों को वित्तिय विश्लेषण के विश्लेषण तथा तैयारी हेतु लेखांकन की प्रांरभिक अवस्थाओं से जोड़ने में सहायक होगा। उपलब्ध कराए गए आंकड़े अथवा प्रोजेक्ट विवरण वास्तविक जीवन की परिस्थितियों के निकट होना चाहिए। संबंधित फर्म के प्रोजेक्ट विवरण में समस्त महत्वपूर्ण पहलू जैसे निवेश, वित्त, Operating (प्रचालन), अंतिमलेखा समायोजन समावेशित होना चाहिए। इन समस्याओं की दी गई परिस्थितियों में विद्यार्थी को निवेश, विस्तार, वित्त इत्यादि के लिए निर्णय हेतु एक सार्थक निष्कर्ष निकालना/पहुँचाना आवश्यक है।

विशिष्ट प्रकृति के दो प्रोजेक्ट में से प्रत्येक में विश्लेषण की कम से कम एक तकनीक होना चाहिए। इनके लिए आंकड़े मुख्यतः कार्पोरेट सेक्टर के तिमाही या छैः माही या वार्षिक रिपोर्ट से एकत्रित किए जाने चाहिए।

विद्यार्थी वित्तिय विवरण में दी गई सूचना का विश्लेषण निम्नानुसार करेंगे :–

❖ तिमाही/छैमाही/वार्षिकी आधार पर किसी खण्ड का प्रदर्शन उनके तीन पैरामीटर राजस्व, सकल लाभ तथा कम्पनी की नियोजित पूंजी को ध्यान में रखकर सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यह कम्पनी द्वारा widely (भलिभांति) प्रकाशित एवं रिपोर्ट किया गया हो। जो कम्पनी की वेबसाइट अथवा समाचार पत्रों के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है।

❖ सामान्य या तुलनात्मक आधार विवरण की सहायता से तिमाही, छैःमाही, वार्षिकी आधार पर राजस्व, सकल लाभ, तथा प्रति शेयर आय की तुलना करना।

पाठ्यक्रम में वित्तिय विवरण के विश्लेषण हेतु 4 तकनीके दी गई है :– 1. तुलनात्मक विवरण 2. सामान्य आकार विवरण 3. अनुपात तथा रोकड़ प्रवाह विवरण, निष्कर्ष के लिए इनमें से कोई भी एक या अधिक तकनीक उपयोग की जा सकती है। तकनीक पर प्रोजेक्ट कदापि न बनाया जाए वरन् प्रोजेक्ट के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए इन तकनीकों का उपयोग किया जाए। जैसे अनुपात पर कोई प्रोजेक्ट नहीं है लेकिन अनुपात का उपयोग प्रोजेक्ट निर्माण के समय निष्कर्ष निकालने हेतु किया जाता है।

<u>अवसर</u>

प्रोजेक्ट कार्य के संबंध में निम्न अनुपात जोड़े गये हैं।

द्रवता अनुपात– चालू अनुपात (Current Ratio), तरल अनुपात।

ऋणशोधन क्षमता अनुपात– ऋण क्षमता अनुपात, कुल परिसंपत्तियों पर ऋण अनुपात।

क्रियाशीलता आवर्त अनुपात– रहतिया आवर्त अनुपात, व्यापारिक प्राप्य आवर्त अनुपात व्यापारिक देय आवर्त अनुपात, निवेश आवर्त अनुपात, स्थिर परिसंपत्तियां आवर्त अनुपात, चालू परिसंपत्तियां आवर्त अनुपात एवं कार्यशील पूंजी आवर्त अनुपात।

लाभप्रदता अनुपात– सकल लाभ अनुपात, प्रचालन अनुपात, निवल लाभ अनुपात, निवेश पर प्रप्याय (ROI), प्रति अंश अर्जन, मूल्य अर्जन अनुपात।

शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों से प्रोजेक्ट संबंधी समस्या हेतु वार्तालाप किया जाना चाहिए। विद्यार्थियों को कंपनी की तिमाही, छैमाही एवं वार्षिक Segment Reports राजस्व तथा सकल लाभ समाचार पत्रों या कंपनी की वेबसाइट से एकत्र करना चाहिए तथा प्रोजेक्ट कार्य के लिए स्वयं समस्या/उद्देश्य बनाना चाहिए।

❖ टीपः–विधार्थियों को परियोजना कार्य आबंटन हेतु विषय का चयन स्वयं शिक्षक द्वारा पाठ्यक्रमानुसार स्थानीय परिवेश में उपलब्धता सुविधा के अनुसार किया जावें।

इकाई–1 प्रोजेक्ट फॉइल

विद्यार्थी अपने समस्या संबंधी कार्य के रिकार्ड हेतु निम्न फार्मेट/प्रारूप में प्रोजेक्ट फॉइल तैयार करेंगे।

1. फॉइल के प्रथम पृष्ठ पर कार्य का शीर्षक, विद्यार्थी का नाम, शाला तथा संबंधी शिक्षक का उल्लेख करें।
2. शीर्षक के अंतर्गत कार्य, पृष्ठ क्रमांक, दिनांक, शिक्षक का रिर्माक को दर्शाने के लिए अनुक्रमाणिक/सूची।
3. प्रोजेक्ट कार्य का प्रारूप निम्नानुसार रहेगा :–
   a. प्रोजेक्ट का नाम/समस्या का विवरण
   b. उद्देश्य
   c. अध्ययन की समयावधि
   d. संदर्भित वस्तुएँ (Source material)
   e. उपयोग की गई विश्लेषण की तकनीक
   f. कार्यविधि तथा आंकडों का सारणी करण
   g. ग्राफीय/रेखीय प्रस्तुतीकरण–पाई चित्रण/बार चित्रण तथा ग्राफ
   h. व्युत्पत्ति, व्याख्या, परिकल्पना तथा निष्कर्ष
   i. अनुमान (Assumptions) यदि कोई है तो

प्रोजेक्ट फॉइल स्वच्छ हस्तलिखित तथा पृष्ठ क्रमांक के साथ प्रस्तुत की जानी चाहिए। समाधान के प्रत्येक पद को मुख्य रूप से दर्शाना आवश्यक है। निष्कर्ष को अंत में बॉक्स के अन्दर लिखा जाना चाहिए।

मूल्यांकन

परीक्षक के लिये निर्देश :–

प्रोजेक्ट फॉइल का मूल्यांकन करते समय अंकन 4 में से निम्न आधार पर किया जाए–

1) विषयवस्तु (Content)
2) क्षेत्र (Coverage)
3) प्रस्तुतीकरण
4) परिकल्पना तथा निष्कर्ष
5) कार्य की गुणवत्ता एवं वास्तविकता [Originality & Quality of work]

इकाई–2 लिखित परीक्षा

उद्देश्य –

1. व्यापारिक फर्म के वित्तिय विवरण के विश्लेषण का उन्मुखीकरण तथा उसकी सहायता से सार्थक सूचना एवं निष्कर्ष निकालने में सहायता करना।
2. छात्रों द्वारा प्रभावशाली ढ़ंग से निष्कर्ष निकालना व प्रस्तुतीकरण सुनिश्चित करना।

शिक्षकों के लिए निर्देश :–

इन परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें तथा उनके स्थानीय परीक्षा हेतु प्रश्न पत्र बनाएँ। कुछ उदाहरण स्वरूप प्रश्न इस बुकलेट के पीछे दिए गए हैं।

परीक्षक के लिए निर्देशः–

1. विद्यार्थी को 6 अंक के दो अनुप्रयोग आधारित प्रश्न दिए जाए जिसमें वित्तिय विवरण के विश्लेषण हेतु तकनीक शामिल हो।
2. शाला शिक्षक की सलाह उपरांत प्रश्नपत्र तैयार किए जाए।
3. 3 घंटे की बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र के सामान प्रश्न नहीं पूछे जाए।

केवल कंपनी के वित्तिय विवरण संबंधी उन प्रश्नों को पूछा जाए जो प्रायोगिक तौर पर अवधारणाओं को प्रोत्साहित करें। बाह्य परीक्षक को सत्र गत् पूर्ण किए गए प्रोजेक्ट के संबंध में आंतरिक परीक्षक से चर्चा उपरांत उस पर आधारित प्रश्न तैयार किया जाना चाहिए। आंतरिक तथा बाह्य परीक्षक दोनों को पूछे गए प्रश्न की प्रकृति एवं अवसर पर सहमत होना चाहिए।

यह अवश्य सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रश्नों के एक से अधिक सेट तैयार किए गए है। अंको का अंकन लिए गए पद, पहचान किए गए डाटा (चिहिन्त डाटा) प्राप्त समाधान पर करना चाहिए।

इकाई–3 मौखिक

उद्देश्य : –

1. विद्यार्थी द्वारा लिए गये विषय की समझ तथा उसकी अभिव्यक्ति योग्यता का आकलन।
2. विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत की गई प्रोजेक्ट फॉइल की वैधता व विश्वसनीयता का आकलन।

शिक्षकों के लिए निर्देश :–

1. शिक्षक द्वारा संपूर्ण सत्र के पाठ्यक्रम अवधि में प्रोजेक्ट कार्य तथा फॉइल संबंधी प्रत्येक पहलू पर विद्यार्थी को मौखिक परीक्षा का अभ्यास करवाना।
2. समस्त आंतरिक परीक्षाओं की अवधि में प्रायोगिक परीक्षा में मौखिक परीक्षा को अनिवार्यतः शामिल किया जाए।
3. शिक्षक चाहे तो अपने साथी शिक्षक को/अन्य स्कूल के शिक्षक को प्रश्न पूछने हेतु आमंत्रित कर सकता है। यह विद्यार्थी को मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास करने एवं आत्मविश्वास बढ़ाने में सहायक होंगे।

परीक्षकों के लिए निर्देश

प्रोजेक्ट फॉइल में विद्यार्थी द्वारा किए गए कार्य के आधार पर प्रश्न पूछने चाहिए। बाह्य परीक्षक फॉइल में किए गए कार्य की विश्वसनीयता के परीक्षण हेतु 2–3 प्रश्न पूछ सकते है, शाला शिक्षक के साथ परामर्श द्वारा 4 में से अंक दिए जाने चाहिए।

Viva Question

1. केवल प्रोजेक्ट संबंधी होने चाहिए।
2. प्रोजेक्ट कार्य की विश्वसनीयता परीक्षण के लिए।
3. प्रोजेक्ट में समाहित/निहित विचार पर विद्यार्थी की समझ परीक्षण के लिए।

प्रायोगिक कार्य

कक्षा–12वीं

कम्प्यूटरीकृत लेखांकन

दिशा–निर्देश :–

भाग "स" शीर्षक के अंतर्गत लेखाशास्त्र में कम्प्यूटरीकृत लेखांकन के प्रायोगिक कार्य को समावेशित किया गया है। जिसके लिए प्रत्येक शालाओं में निम्न आधारभूत संरचना आवश्यक है।

1. कम्प्यूटर में MS-Office-2007 तथा दो विद्यार्थियों के बीच एक प्रिंटर के साथ भलीभांति संधारित कम्प्यूटर लैब होना चाहिए।
2. वाणिज्य संकाय के शिक्षकों को कम्प्यूटरीकृत लेखांकन पाठ्यक्रम हेतु सक्षम होना चाहिए।

मूल्यांकन योजना

समय– 02 घण्टे

प्रायोगिक अंक 20

1. फाईल	04 अंक
2. प्रायोगिक परीक्षा	12 अंक
3. मौखिक परीक्षा	04 अंक

प्रायोगिक कार्य

प्रत्येक विद्यार्थी को प्रेक्टीकल फाइल के रूप में प्रोजेक्ट फाइल की साफ्ट कापी तैयार कर प्रस्तुत करना है। फाइल का प्रथम पृष्ठ में प्रोजेक्ट का शीर्षक, विद्यार्थी तथा मार्गदर्शक शिक्षक की जानकारी रहेगी। द्वितीय पृष्ठ में प्रोजेक्ट की सूची (अनुक्रमणिका) संलग्न रहेगी। इसके पश्चात प्रोजेक्ट के प्रपत्र 03 भागों में होंगे :– 1. प्रथम भाग में प्रोजेक्ट तथा उसके उद्देश्य का विवरण होगा। 2. द्वितीय भाग में प्रोजेक्ट के क्रियान्वन हेतु उपयोग की गयी कार्यप्रणाली का उल्लेख होगा। 3. तृतीय भाग में प्रोजेक्ट के पदो तथा अंतिम Out come का उल्लेख होगा। अंतिम पृष्ठ पर शिक्षक द्वारा ग्रेड तथा अंको का अंकन किया जाएगा।

कम्प्यूटर लेखांकन प्रणाली प्रेक्टीकल प्रोजेक्ट में साफ्टवेयर जैसे MS Access and MS Excel-2007 अनुप्रयोगों का उपयोग करते हुए डाटा फ्लों तथा लेखांकन सूचना जेनरेशन पर फोकस किया गया है।

MS Excel-07 में लेखांकन कार्य

Excel एक साफ्टवेयर है जो spread sheet के क्रियान्वन हेतु MS Office के साथ संलग्न रहता है तथा Excel में Worksheet कहलाता है। इसके लेखाकंन संबंधी विशिष्ट कार्य इस प्रकार है–

1. Bank Reconciliation Statement तैयार करना [both with passbook balance and cash book balance]
2. Petty Cash book तथा अचल सम्पत्ति खाता तैयार करना।
3. विश्लेषण अनुपात तथा लेखांकन पाठ्यक्रम के अनुसार अनुपात संबंधी ग्राफ/चार्ट तैयार करना।
4. लेखांकन पाठ्यक्रमानुसार अन्य कोई लेखांकन संबंधी कार्य।

MS Access-07 में लेखांकन कार्य

यह भाग लेखांकन डाटा बेस क्रियान्वन तथा MS Access-07 से संबंधित है। MS Access Database Management System (DBMS) में डाटा बेस Create, store तथा manage के लिए महत्वपूर्ण है। इसके लेखाकंन संबंधी विशिष्ट कार्य इस प्रकार है:–

1. लेखाकंन ट्रॉंजेक्शन रिकार्डिंग के लिए डाटा बेस बनाना।
2. क्रय तथा विक्रय खाता तैयार करना।
3. स्थायी संपति पर मूल्यह्रास की गणना का डाटाबेस तैयार करना।
4. बिल भुगतान तथा बिल प्राप्ति बुक तैयार करना।
5. लेखांकन पाठ्यक्रमानुसार अन्य कोई लेखांकन संबंधी कार्य।

1.प्रायोगिक फाइल

विद्यार्थियों से फाईल तैयार कराने का उद्देश्य लेखांकन में MS Access तथा MSExcell-2007 का उपयोग करते हुए प्रायोगिक तौर पर विद्यार्थी की योग्यता का परीक्षण।

- विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे 6 लघु प्रोजेक्ट (MSExcell-2007 का उपयोग करते हुए 03 अभ्यास तथा MS Access का उपयोग करते हुए 03 अभ्यास) के प्रपत्र फाईल में जमा करेंगे।
- शिक्षक के द्वारा यह सुनिश्चितता आवश्यक है कि प्रत्येक विद्यार्थी की फाईल में प्रपत्र निम्नानुसार हो :–

  1. प्रोजेक्ट का अवलोकन।
  2. क्रियान्वयन के लिए आवश्यक क्रियाविधि ।
  3. परिकल्पना/अवधारणा का निर्माण।
  4. डिजाइन किये गये प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन।
  5. सी0 डी0 के माध्यम से अंतिम परिणाम जमा करना।

- विद्यार्थियों का मूल्यांकन करते समय प्रायोगिक फाईल में किये गये अभ्यास का परीक्षण किया जाना चाहिए।

- प्रोजेक्ट फाईल के 04 अंक का वितरण निम्नानुसार किया जाना चाहिए
  1. प्रस्तुतीकरण।
  2. विषय–वस्तु।
  3. विश्वसनीयता।
  4. किये गये कार्य की पूर्णता।

2. प्रायोगिक परीक्षा

उद्देश्य : DBMS हेतु MS Access package के साथ Windows platform पर कम्प्यूटर सिस्टम का उपयोग करते हुए लेखांकन के प्रायोगिक अभ्यास से विद्यार्थियों की योग्यता का परीक्षण करना।

परीक्षक हेतु दिशा निर्देश:–

1. प्रायोगिक परीक्षा आंतरिक परीक्षक के उपस्थिति में बाह्य परीक्षक द्वारा ली जाएँ।
2. समय सीमा को ध्यान में रखते हुए, आंतरिक परीक्षक से परामर्श उपरांत प्रश्न पत्र सेट किया जाएँ।
3. प्रायोगिक परीक्षा हेतु दिये गये अभ्यास 01 अथवा 02 से अधिक न हो।
4. प्रायोगिक परीक्षा लेते हुए आंतरिक परीक्षक द्वारा बाह्य परीक्षक को शाला के कम्प्यूटर लेब की अधोसंरचना से परिचित कराया जाएँ।
5. परीक्षक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए की विद्यार्थी द्वारा उत्तरपुस्तिका में अभ्यास प्रश्न से संबंधित महत्वपूर्ण भागों का प्रिंट आउट लगाया गया हो

3. मौखिक परीक्षा

उद्देश्य :

1. विद्यार्थी को कम्प्यूटर के प्रायोगिक अभ्यास की समझ तथा आवश्यक संशोधन के साथ पुनः करने की क्षमता का परीक्षण।
2. कम्प्यूटर के प्रयोग द्वारा प्रायोगिक अभ्यास के सामान्य प्रयोग जैसे Save करना, प्रिंट करना तथा प्रायोगिक अभ्यास के Out comes के प्रदर्शन की योग्यता विकसित करना।
3. प्रायोगिक अभ्यास के सफलतापूर्वक पूर्ण करने के कारणों की व्याख्या करना।

परीक्षक के लिए निर्देश :

1. प्रत्येक विद्यार्थी से संवाद के पश्चात ही कोर्स संबंधी समझ का आकलन किया जाएँ।
2. विद्यार्थी से बिना किसी तनाव के सहज वातावरण में उनके द्वारा किये गये कार्य की जानकारी प्राप्त की जाएँ।

................000..............